पाठ 12. पारसमणि

पाठ का परिचय

रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपनी एक रचना के माध्यम से यह बताने का प्रयत्न किया है कि धन से अमूल्य कुछ होता है जिसे प्राप्त करने का इनसान को प्रयत्न करना चाहिए। जिसके पास धन से भी कीमती कोई दूसरी चीज़ होती है, उसे धन फ़ीका लगता है। आज के युग में सभी समाजों में, सभी देशों में पैसे का बोलबाला है। सभी पैसे पाने की होड़ में दौड़ रहे हैं। इसका नतीज़ा यह है कि ज़्यादातर लोगों को नींद की दवा लेकर सोना पड़ता है। सुख-सुविधाओं की दौड़ में भागने वाला व्यक्ति यह नहीं जानता कि उसे जो कुछ प्राप्त हो रहा है वह केवल भ्रम है। असली आनंद तो सादगी की ज़िंदगी में है। गांधी जी ने भी यही किया था। वह चाहते तो अच्छी-खासी कमाई कर सकते थे लेकिन उन्होंने पैसे का मोह त्यागा और बड़े-बड़े काम किए। उन्होंने सोना नहीं जुटाया, उन्होंने वह पारसमणि प्राप्त की जिसको छूकर सब कुछ सोना बन जाता है। आदमी का शरीर मिलना बहुत ही दुर्लभ है। जिसे इतनी अमूल्य वस्तु मिली हो वह दुनियादारी के पीछे भटके यह उचित नहीं। मानवता की सेवा ही मनुष्य मात्र का कर्तव्य होना चाहिए। सेवा करने का अपना आनंद होता है। एक बार सेवा करने की आदत पड़ जाती है तो फिर छूटती नहीं। विनोबा भावे ने अपनी सेवा के बल पर ही करोड़ों लोगों को अपना बना लिया था। शरीर से दुबले-पतले विनोबा ने सबको दिखा दिया कि इनसान से बढ़कर दुनिया में किसी का भी मूल्य नहीं है। करोड़पति तक अकिंचन विनोबा के चरणों में सिर झुकाते थे। गांधी जी ने तो सेवाधर्म को अहिंसा और सत्य दोनों की बुनियाद माना। अत: कहा गया है – सेवा परमो धर्म:।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

धन का मोह त्यागकर सेवाभाव को जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए। सेवाभाव सबसे श्रेष्ठ धर्म है। जिसने इस धर्म को प्राप्त कर लिया मानो पारसमणि को प्राप्त कर लिया। सेवाभाव को जिसने अपना लिया उसको सभी ने अपने हृदय में स्थान दे दिया। धन का मोह त्यागकर जीवन को सेवा कार्य में लगाकर श्रेष्ठ जीवन जीने का प्रयत्न करें।

पाठ का वाचन

पाठ का आरंभ करने से पहले पाठ का सार कक्षा में सुनाएँ। पाठ में आई छोटी-छोटी कथाओं को बच्चों को समझाएँ। इसके बाद अध्यापक/अध्यापिका पूरे पाठ का वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। पाठ के भाव को स्पष्ट करें। कठिन पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें। बच्चों से एक-एक अनुच्छेद पढ़ने को कहें। उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर बच्चों से चर्चा करें –

- धन जीवन में क्यों महत्वपूर्ण है?
- धन जीवन में कितना महत्वपूर्ण है?
- केवल धन का संग्रह करने वाला व्यक्ति गरीब क्यों कहलाता है?
- केवल सुख-सुविधा को पाना ही जीवन नहीं है, ऐसा क्यों कहा जाता है?
- पैसे का मोह त्यागने से मनुष्य कैसे बड़ा हो जाता है?